14. विराम-चिह्न

विराम अर्थात् रुकना या ठहराव। चिह्न यानि कुछ संकेत या निशान। इस प्रकार रुकने का संकेत प्रकट करना विराम-चिह्न कहलाता है।

आपसी बातचीत में हम कई बार रुकते हैं। कभी थोड़ी देर के लिए तो कभी अधिक देर के लिए या कभी प्रश्न भी पूछते हैं अथवा कभी-कभी आवाज़ के उतार-चढ़ाव और भावों को अभिव्यक्त करते हैं। इसी अभिव्यक्ति तथा ठहराव को लिखित रूप में प्रकट करने के लिए भाषा में विराम-चिह्न निर्धारित किए गए हैं जिनके कारण बात को सरलता से समझा-समझाया जा सकता है। विराम-चिह्नों से भाषा लेखन शुद्ध होता है।

- ❖ शिक्षक/शिक्षिका पाठ पृष्ठ 69 पर दिए उदाहरण की सहायता से विराम-चिह्नों का महत्त्व समझाएँ।
- ❖ समझाएँ, यदि विराम-चिह्नों का गलत प्रयोग किया जाए तो अर्थ का अनर्थ भी हो जाता है। जैसे–
  छोड़ो, मत मारो वाक्य में सही विराम-चिह्न प्रयुक्त हुए हैं परंतु **छोड़ो मत, मारो** यदि इस प्रकार गलत विराम-चिह्न लगाएँगे तो अर्थ का अनर्थ होते देर नहीं लगेगी। अतः समझाएँ, विराम-चिह्नों का प्रयोग ध्यान से समझकर सावधानीपूर्वक करना चाहिए।
- ❖ बच्चों को पूर्ण विराम, अल्पविराम, प्रश्नवाचक चिह्न तथा विस्मयसूचक चिह्नों के बारे में बताएँ।
- ❖ इन विराम-चिह्नों के प्रयोग की जानकारी दें तथा पाठ में दिए उदाहरणों की सहायता से समझाएँ।
- ❖ अभ्यास करवाने में यथोचित सहायता करें।